संस्कृति IAS

परिचय पुस्तिका

सीसैट

- सिविल सेवा परीक्षा : सामान्य परिचय
- सीसैट : सामान्य परिचय
- सीसैट की भूमिका
- सीसैट का ट्रेंड एनालिसिस
- क्या हो सही रणनीति
- कक्षा कार्यक्रम की विशेषताएँ

हेड ऑफिस : 636, भू-तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
प्रयागराज केंद्र : महाराणा प्रताप चौराहा, स्टैनली रोड़, सिविल लाइन्स, प्रयागराज उ.प्र.-21002

Website: sanskritiIAS.com | Follow us on : YouTube

सिविल सेवा परीक्षा

सामान्य परिचय (Introduction)

सिविल सेवा परीक्षा भारत की एक प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा है। इसका आयोजन संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) द्वारा किया जाता है। इस परीक्षा के माध्यम से देश की विभिन्न प्रतिष्ठित सिविल सेवाओं, जैसे कि आई.ए.एस., आई.एफ.एस., आई.पी.एस., आई.आर.एस., आई.आर.टी.एस. के लिये सिविल सेवकों का चयन किया जाता है। हर साल लगभग 10 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिये आवेदन करते हैं। इनमें से लगभग 4 से 5 लाख परीक्षा में बैठते हैं और अंतिम रूप से लगभग एक हज़ार उम्मीदवार सफल होते हैं।

परीक्षा का प्रारूप (Format of Exam)

सिविल सेवा परीक्षा तीन चरणों में आयोजित की जाती है– प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा एवं साक्षात्कार। प्रत्येक चरण में परीक्षा की प्रकृति भिन्न होती है, जैसे– प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकृति के प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 विकल्प दिये जाते हैं, जिनमें से उम्मीदवार को एक सही विकल्प का चयन करना होता है। मुख्य परीक्षा पूरी तरह से लिखित होती है। इसमें दिये गए प्रश्नों के निर्धारित शब्द-सीमा में वर्णनात्मक उत्तर लिखने होते हैं। साक्षात्कार में उम्मीदवार के व्यक्तित्व का परीक्षण किया जाता है। इसमें मौखिक प्रश्न पूछे जाते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा

प्रारंभिक परीक्षा की संरचना (Structure of Preliminary Examination)

प्रारंभिक परीक्षा का प्रारूप

प्रश्नपत्र-I : सामान्य अध्ययन
- प्रश्नों की संख्या : 100
- अधिकतम अंक : 200
- समय : 2 घंटे
- ऋणात्मक अंक : 1/3

प्रश्नपत्र-II : सीसैट
- प्रश्नों की संख्या : 80
- अधिकतम अंक : 200
- समय : 2 घंटे
- ऋणात्मक अंक : 1/3

प्रारंभिक परीक्षा में दो प्रश्नपत्र होते हैं। पहला प्रश्नपत्र 'सामान्य अध्ययन' का है, जबकि दूसरे को 'सिविल सेवा अभिरुचि परीक्षा' (Civil Services Aptitude Test) या 'सीसैट' कहते हैं। प्रारंभिक परीक्षा में 'सीसैट' का प्रश्नपत्र अर्हकारी प्रकृति (Qualifying Nature) का होता है। दोनों प्रश्नपत्र 200-200 अंकों के होते हैं। इस प्रकार, परीक्षा कुल 400 अंकों की होती है। पहले प्रश्नपत्र यानी सामान्य अध्ययन में 2-2 अंकों के 100 प्रश्न होते हैं, जबकि दूसरे प्रश्नपत्र (सीसैट) में 2.5-2.5 अंकों के 80 प्रश्न। दोनों प्रश्नपत्रों में प्रत्येक प्रश्न के साथ 4-4 विकल्प दिये जाते हैं, जिनमें से उम्मीदवार को सही विकल्प का चयन करना होता है। दोनों प्रश्नपत्रों में 'नकारात्मक अंकन' (Negative Marking) की व्यवस्था लागू है, जिसके तहत 3 उत्तर गलत होने पर 1 सही उत्तर के बराबर अंक काट लिये जाते हैं। इस नियम के अंतर्गत सामान्य अध्ययन में एक सही उत्तर के लिये 2 अंक दिये जाते हैं, जबकि एक गलत उत्तर के लिये 0.67 अंक काट लिये जाते हैं। इसी तरह, सीसैट में एक सही उत्तर के लिये 2.5 अंक दिये जाते हैं, जबकि एक गलत उत्तर पर 0.83 अंक का नुकसान होता है। प्रारंभिक परीक्षा के लिये कट-ऑफ का निर्धारण सिर्फ प्रथम प्रश्नपत्र यानी सामान्य अध्ययन के आधार पर किया जाता है।

सामान्य अध्ययन (प्रारंभिक परीक्षा) का पाठ्यक्रम *Syllabus of General Studies (Preliminary Test)*		सीसैट (प्रारंभिक परीक्षा) का पाठ्यक्रम *Syllabus of CSAT (Preliminary Test)*	
प्रारंभिक परीक्षा में प्रश्नपत्र-I का संबंध सामान्य अध्ययन से है। इसका पाठ्यक्रम निम्नलिखित है–		प्रारंभिक परीक्षा में प्रश्न पत्र-II का संबंध सीसैट से है। इसका पाठ्यक्रम निम्नलिखित है-	
1.	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ (Current events of national and international importance)	1.	बोधगम्यता (Comprehension)
2.	भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (History of India and Indian National Movement)	2.	संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल (Interpersonal skills including communication skills)
3.	भारत एवं विश्व का भूगोल : भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल (Indian and World Geography : Physical, Social, Economic Geography of India and the World)	3.	तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता (Logical reasoning and analytical ability)

4.	भारतीय राज्यतंत्र और शासन : संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे इत्यादि (Indian Polity and Governance : Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues etc.)	4.	निर्णयन और समस्या समाधान (Decision-making and problem- solving)
5.	आर्थिक और सामाजिक विकास : सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहलें आदि (Economic and Social Development : Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives etc.)	5.	सामान्य मानसिक योग्यता (General mental ability)
6.	पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिये विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है (General issues on Environmental Ecology, Biodiversity & Climate Change, that do not require subject specialization)	6.	आधारभूत संख्यायन (संख्याएँ और उनके संबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर); आँकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आँकड़ों की पर्याप्तता आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर) [Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiency etc.) (Class X level)]
7.	सामान्य विज्ञान (General Science)		

सीसैट (CSAT)

परिचय (Introduction)

प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नपत्र-2 को 'सीसैट' (CSAT) यानी 'सिविल सेवा अभिरुचि परीक्षा' (Civil Services Aptitude Test) कहे जाने का प्रचलन है। इसे वर्ष 2011 में सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में एक प्रश्नपत्र के रूप में शामिल किया गया था।

'सीसैट' प्रश्नपत्र वस्तुत: उम्मीदवार की बौद्धिक क्षमता (IQ-Intelligence Quotient) की जाँच करता है। इसमें प्रश्नों की प्रकृति एवं अनुपात को सिविल सेवाओं या प्रशासन की आवश्यकताओं के अनुरूप निर्धारित किया गया है। उदाहरण के तौर पर, इसमें प्रशासन की समस्याओं से जुड़े निर्णयन व समस्या समाधान (Decision Making & Problem Solving) से संबंधित प्रश्न शामिल होते हैं, जो प्रबंधन (Management) की समस्याओं से भिन्न प्रकृति के होते हैं।

कुल मिलाकर, 'सीसैट' बौद्धिक योग्यता (Intelligence Quotient) की एक परीक्षा है, जो विशेष रूप से सिविल सेवाओं या प्रशासन के लिये आवश्यक बौद्धिक क्षमताओं का परीक्षण करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है।

सीसैट की भूमिका (Role of CSAT)

जैसा कि हम शुरुआत में ही चर्चा कर चुके हैं, प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट प्रश्नपत्र अर्हकारी प्रकृति का होता है। किसी भी उम्मीदवार को प्रारंभिक परीक्षा पास करने के लिये सीसैट में 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होते हैं, यानी उसे नकारात्मक अंकन के लिये काटे गए अंकों के बाद 66 अंक प्राप्त करने होते हैं। इसके लिये उसे 80 प्रश्नों में से लगभग 27 प्रश्न (नकारात्मक अंकन द्वारा काटे गए प्रश्नों के बाद) सही करने होते हैं।

इसलिये, अगर कोई उम्मीदवार सीसैट प्रश्नपत्र में 33 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे फेल माना जाएगा, फिर चाहे उसने सामान्य अध्ययन में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो।

विगत वर्षों में सीसैट प्रश्नपत्र में पूछे गए प्रश्नों का विषयवार विश्लेषण (Trend analysis)

वर्ष (Year)	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026
बोधगम्यता (Comprehension)	24	26	30	27	30	26	30	25	27	27	27	27	29	23
तर्कशक्ति (Reasoning)	19	27	28	24	24	23	23	11	23	15	13	15	17	13
निर्णयन + संचार कौशल (Decision Making + Comm. Skills)	7	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	6
आधारभूत संख्यायन (Basic Numeracy)	16	16	20	29	26	17	24	39	24	32	34	29	29	32
आँकड़ों का निर्वचन (Data Interpretation)	5	5	0	0	0	5	0	1	1	0	0	0	0	1
आँकड़ों की पर्याप्तता (Data Sufficiency)	0	0	0	0	0	0	3	4	4	6	6	9	5	5
ग्राफ प्रस्तुतीकरण (Graph Representation)	7	0	1	0	2	0	0	9	0	0	0	0	0	0
अंग्रेज़ी बोधगम्यता (English Comprehension)	9	8	8	English comprehension was dropped from the syllabus in 2014										
कुल (Total)	80	80	80	74*	80	80	80	80	80	80	80	80	80	80

***2014 में अंग्रेज़ी बोधगम्यता के छह प्रश्न पूछे गए थे, जिसे उसी वर्ष पाठ्यक्रम से हटा दिया गया था।**

विषयवार विश्लेषण
(Topic-wise analysis)

बोधगम्यता (Comprehension)

सीसैट के प्रश्नपत्र में बोधगम्यता खंड की बड़ी भूमिका (लगभग 30-35%) होती है। वस्तुतः यह एक प्रमुख अंकदाई खंड है। साथ ही, इसके लिये किसी विशेष ज्ञान की आवश्यकता भी नहीं होती, इसके लिये सिर्फ नियमित अभ्यास आवश्यक होता है। अभ्यास से ही अभ्यर्थी, लेखक की मौलिक अभिव्यक्तियों में निहित तर्कों को समझकर निष्कर्षों और उद्धरण में दी गई सूचनाओं के मध्य तारतम्यता स्थापित कर पाता है। बोधगम्यता खंड में एक बड़ी चुनौती तकनीकी शब्दों की जानकारी एवं समझ को लेकर भी उत्पन्न होती है, उदाहरण के लिये, वर्ष 2020 एवं 2021 में बोधगम्यता खंड से पूछे गए प्रश्नों में सबसे निर्णायक अनुमान (Inference), तार्किक उपनिगमन (Corollary) तथा तार्किक और युक्तिपूर्ण पूर्वधारणा (Assumption) जैसी तकनीकी शब्दावलियों का प्रयोग किया गया था। इसलिये, यदि परीक्षार्थियों को बोधगम्यता खंड की अच्छी तैयारी करनी है तो उन्हें नियमित रूप से अच्छी पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएँ और अखबारों में लेख खंड को पढ़ते रहना चाहिये।

संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल
(Interpersonal skills including communication skills)

सिविल सेवा परीक्षा में अंतर-वैयक्तिक कौशल को शामिल करने का मुख्य उद्देश्य, एक सिविल सेवक के रूप मे उम्मीदवार की उपयुक्तता का आकलन करना है। किसी भी प्रशासनिक अधिकारी का अंतर-वैयक्तिक कौशल उसकी सामाजिक अंत:क्रिया से संबंधित होता है। एक सिविल सेवक का अच्छा संचार कौशल माहौल को बेहतर बनाने एवं सहकर्मियों के साथ संवाद करने में उसकी मदद करता है।

विदित रहे, किसी समस्या को हल करते समय सिविल सेवक को मात्र अपनी मनोवृत्ति एवं विद्यमान स्थिति के प्रति अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत करना होता है। अत: इस प्रकार के प्रश्नों को हल करते समय परीक्षार्थी द्वारा स्वयं को एक ज़िम्मेदार सिविल सेवक की भूमिका में रखना चाहिये। एक सिविल सेवक को अच्छे नेतृत्वकर्ता के साथ-साथ एक बेहतर मोटीवेटर भी होना चाहिये। इस दृष्टिकोण से अंतर-वैयक्तिक कौशल की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक क्षमता
(Logical reasoning and analytical ability)

इस खंड के अंतर्गत सिविल सेवक की तार्किक क्षमता का परीक्षण किया जाता है, जो किसी निष्कर्ष पर पहुँचने में उसकी मदद करती हैं। यह व्यावहारिक जीवन की परिस्थितियों के सदृश होती है। विगत वर्षों में तार्किक कौशल संबंधी प्रश्नों की तुलना में विश्लेषणात्मक क्षमता संबंधी प्रश्न अधिक पूछे गए हैं। ये प्रश्न दिशा, रैंक, न्याय-निगमन, डायग्राम, संख्यात्मक समस्या एवं वेन डायग्राम इत्यादि पर आधारित रहे। वेन डायग्राम एक ऐसी विधि है जिसमें यह निर्धारित करना होता है कि दिये गए कथन वैध हैं अथवा अवैध? वैध तर्क हमेशा निष्कर्ष का अनुसरण करते हैं। यदि आधार-वाक्य सही प्रतीत होते हैं, तो वैध तर्क पर आधारित निष्कर्ष अवश्य सही होगा। वेन डायग्राम की भाषा में, यदि निष्कर्ष आरेख में दी गई समस्त सूचना आधार-वाक्य आरेख में मौजूद हो, तो वैध तर्क होता है। पूर्वधारणाएँ किसी कथन में निहित अकथित तथ्य तथा तार्किक संबंध होते हैं। किसी कथन के निष्कर्ष को सत्य सिद्ध करने के लिये यह आवश्यक है कि जिस कथन पर वह आधारित है, वह अवश्य ही सत्य हो।

निष्कर्ष वे अनुमान होते हैं जो कथनों में दी गई सूचनाओं के आधार पर ज्ञात किये जाते हैं। प्रत्येक प्रभाव के पीछे कोई-न-कोई कारण अवश्य होता है। इस तरह के प्रश्नों में अभ्यर्थी से यह जानने की अपेक्षा होती है कि दिये गए कारण एवं प्रभाव एक-दूसरे के पूरक हैं अथवा नहीं। इस खंड में तार्किक क्षमता आधारित पूर्वधारणाएँ, तर्क, निष्कर्ष क्रिया-विधि तथा कारण व प्रभाव संबंधी प्रश्न सम्मिलित होते हैं।

निर्णयन एवं समस्या समाधान
(Decision-making and problem- solving)

इस खंड के अंतर्गत शर्तों एवं सूचनाओं के दिये गए समुच्चय के आधार पर अभ्यर्थी की निर्णय लेने की क्षमता का आकलन किया जाता है। निर्णयन से तात्पर्य, किसी व्यक्ति द्वारा उपलब्ध विभिन्न विकल्पों में से प्राथमिकता के आधार पर किसी एक विकल्प का चयन करने की योग्यता से है।

सभी निर्णय उन विशेष परिस्थितियों पर आधारित होते हैं, जिनमें ये लिये जाते हैं। इसी प्रकार, समस्या समाधान भी सिविल सेवक का एक प्रमुख गुण है। एक सिविल सेवक प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की समस्याओं से रू-ब-रू होता है। जिन समस्याओं से उसका सामना होता है, वे छोटी या बड़ी, सरल अथवा जटिल किसी भी प्रकृति की हो सकती हैं। समस्या की प्रकृति से परे या उस पर ध्यान दिये बिना किसी सिविल सेवक का प्रमुख दायित्व उन समस्याओं को हल करना होता है। अत: समस्या समाधानकर्ता बनना सिविल सेवक के रूप में आपकी सफलता के लिये निश्चित रूप से महत्त्वपूर्ण है।

सामान्य मानसिक योग्यता (General mental ability)

इसके अंतर्गत मौखिक तार्किकता से संबंधित प्रश्न शामिल होते हैं। इससे शाब्दिक त्रुटियों को हल करने में मदद मिलती है। इसका उद्देश्य व्यक्ति की संरचनात्मक चिंतन क्षमता तथा तार्किक विश्लेषण क्षमता को मापना होता है। इसके अंतर्गत पहेली, पासा, दृष्टि तर्क, वर्ण संख्या तर्क, संख्या शृंखला, तार्किक संख्या/वर्णक्रम/आरेखीय व्यवस्था एवं कूट संबंधी प्रश्न शामिल होते हैं। वास्तव में सामान्य मानसिक योग्यता के प्रश्नों को हल करने के लिये किसी विशिष्ट नियम को सीखने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि इसके लिये विश्लेषणात्मक बौद्धिकता की आवश्यकता होती है। क्रम व्यवस्था पर आधारित प्रश्न रेखीय तथा वृत्तीय क्रम व्यवस्था पर आधारित होते हैं। इसी तरह, रक्त संबंधी

प्रश्नों को हल करने के लिये रिश्तों की अच्छी समझ अपेक्षित होती है। दिशा संबंधी प्रश्नों को हल करने के लिये दिशाओं का ज्ञान होना अनिवार्य है। निरंतर अभ्यास से भी इन प्रश्नों को हल करने की गति बढ़ाई जा सकती है।

आधारभूत संख्यन (Basic numeracy)

इस खंड में संख्याओं तथा उनके आपसी संबंध, परिमाण एवं जटिलता क्रम इत्यादि से संबंधित प्रश्न शामिल होते हैं। इनका विस्तार अंकगणित से लेकर सांख्यिकीय गणना, तर्कशक्ति, डायग्राम, प्रतिशत एवं मात्रात्मक विश्लेषण संबंधी प्रश्नों तक होता है। इसमें गणितीय समस्याओं को सुलझाने के लिये गणितीय सूत्रों की अपेक्षा तार्किक गणितीय विश्लेषण की आवश्यकता होती है। संक्षेप में कहा जाए तो इन प्रश्नों के माध्यम से अभ्यर्थी की कम समय में दिये गए आँकड़ों को विश्लेषित करने की क्षमता का परीक्षण किया जाता है। उदाहरण के लिये, एक सिविल सेवक से अंकों, उनके आपसी संबंधों तथा उनके अनुप्रयोग की समझ अपेक्षित होती है, क्योंकि इससे विभिन्न आँकड़ों की गणना करने अथवा रेखाचित्रों का विश्लेषण करने में सुविधा होती है।

इसके अंतर्गत परिमेय तथा अपरिमेय संख्याएँ, अभाज्य संख्याएँ एवं उनके गुण, घातांक एवं करणी, लघुगणक तथा सरलीकरण पर आधारित प्रश्न, महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्त्य, शेषफल, प्रमेय, इकाई अंक इत्यादि की आधारभूत जानकारी शामिल होती है। इसी प्रकार, प्रतिशतता, साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज, अनुपात व समानुपात, साझेदारी तथा मिश्रण, समय, गति व दूरी (जिसमें ट्रेन, नाव, धारा तथा घड़ी संबंधी प्रश्न भी शामिल) और समय तथा कार्य (पाइप एवं टंकी) इत्यादि सम्मिलित होते हैं। एडवांस मैथ्स के अंतर्गत क्रमचय एवं संचय, संभाव्यता (पासा) और समुच्चय सिद्धांत के आधारभूत तार्किक पहलू शामिल हैं।

आँकड़ों की पर्याप्तता (Data Sufficiency)

इसके अंतर्गत आँकड़ों को तालिकाओं, आरेखों तथा रेखाचित्रों के रूप में प्रदर्शित किया जाता है। आँकड़ों के विश्लेषण में मुख्यत: तीन प्रकार के प्रश्न शामिल किये जाते हैं– गणना, गणनांक एवं तर्क आधारित प्रश्न। गणना आधारित प्रश्नों को हल करने के लिये गणितीय गणना की समझ आवश्यक है। गणनांक आधारित प्रश्नों में हमें कुछ निश्चित अवरोधों का अनुसरण करते हुए गणना करनी पड़ती है। तर्क आधारित प्रश्नों में पूछे गए प्रश्न को सुलझाने के लिये एक से अधिक अवरोध दिये गए रहते हैं।

कुल मिलाकर, आँकड़ों की पर्याप्तता से संबंधित प्रश्नों को हल करने लिये आँकड़ों की व्याख्या एवं विश्लेषण करने की योग्यता, अभ्यर्थी को शीघ्र एवं सटीक समाधान की ओर ले जाती है।

विगत वर्षों में सीसैट प्रश्नपत्र में पूछे गए प्रश्नों का विस्तृत विषयवार विश्लेषण (Trend analysis)

वर्ष (Year)	2013	2014	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	2024	2025	2026
अंतर-वैयक्तिक कौशल (Interpersonal Skills)														
अंतर-वैयक्तिक एवं संचार कौशल (Interpersonal & Comm. Skills)	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	6
सामान्य मानसिक योग्यता (General Mental Ability)														
1. संख्या/ अक्षर शृंखला Number/Letter Series)	-	1	3	-	-	3	2	2	4	2	2	2	3	1
2. वर्गीकरण (Classification)	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	1	-	-	-
3. कूटलेखन-कूटवाचन (Coding-Decoding)	-	-	-	3	4	2	2	2	2	1	3	2	3	1
4. सादृश्यता (Analogy)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
तार्किक कौशल (Logical Reasoning)														
1. रक्त संबंध (Blood Relation)	-	3	1	-	2	-	1	1	-	1	-	-	2	1
2. दिशा एवं दूरी (Direction & Distance)	-	3	1	2	2	-	2	1	2	1	-	2	1	1
3. श्रेणी परीक्षण (Ranking Test)	4	2	2	-	-	-	3	1	2	3	-	-	-	1
4. अंकगणितीय तर्कशक्ति (Arithmetical Reasoning)	-	4	2	5	3	1	3	-	-	-	-	1	-	-
5. वेन आरेख (Venn Diagrams)	-	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6. पहेली परीक्षण (Puzzle)	2	1	-	-	-	6	-	1	2	-	-	-	3	-
7. न्याय निगमन (Syllogism)	-	-	1	-	1	1	1	2	3	2	-	-	-	-

8. घन एवं पासा (Cube and Dice)	-	-	1	-	-	3	-	-	-	-	1	1	1	1
9. आकृतियों की गणना (Counting of Figures)	-	-	-	-	-	2	-	-	-	-		-	-	-
10. विविध (Miscellaneous)	8	4	6	3	10	3	8	-	8	5	3	6	3	5
विश्लेषणात्मक क्षमता (Analytical Ability)														
1. कथन एवं पूर्वधारणाएँ (Statement and Assumptions)	-	-	-	-	-	1	1	1	-	-	-	-	-	-
2. कथन एवं तर्क (Statement and Arguments)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. कथन एवं निष्कर्ष (Statement and Conclusions)	1	-	-	-	2	-	-	-	-	-	3	1	1	2
4. तार्किक निगमन (Logical Deduction)	1	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. वैज्ञानिक तर्कशक्ति (Scientific Reasoning)	-	4	5	8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निर्णय लेना/निर्णयन एवं समस्या समाधान (Decision Making and Problem Solving)														
1. प्रशासनिक कार्य दक्षता (Administrative Courses of Action)	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. केस स्टडी (Case Study)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. निर्णयन क्षमता (Decision Making)	7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4. समस्या समाधान (Problem Solving)	2	3	6	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-
बोधगम्यता (Comprehension)														
बोधगम्यता (Comprehension)	24	26	30	27	30	26	30	25	27	27	27	27	29	23
आधारभूत संख्यन (Basic Numeracy)														
1. संख्या पद्धति (Number System)	2	4	3	4	7	4	8	10	7	14	14	14	16	13
2. प्रतिशतता, लाभ और हानि एवं औसत (Percentage, Profit & Loss and Average)	1	2	3	9	4	3	9	6	6	4	-	6	4	3
3. समय और कार्य/ चाल, समय एवं दूरी (Time and Work/ Speed, Time and Distance)	5	2	3	3	6	2	4	4	2	3	2	2	3	4
4. ज्यामिति एवं क्षेत्रमिति (Geometry and Mensuration)	-	-	1	3	2	1	-	2	1	2	3	-	1	1
5. एडवांस मैथ्स (Advance Maths)	1	1	7	-	2	2	1	3	3	3	13	-	2	2
6. विविध (Miscellaneous)	4	7	3	10	5	5	2	14	5	6	2	7	3	9
आँकड़ों का विश्लेषण (Data Interpretation)														
1. आरेखों का अध्ययन (Study of Graphs)	1	-	2	-	-	9	-	-	-	-	-	-	-	-
2. आँकड़ों का निर्वचन (Data Interpretation)	5	5	-	-	-	5	-	1	1	-	-	-	-	1
3. आँकड़ों की पर्याप्तता (Data Sufficiency)	-	-	-	-	-	-	3	4	4	6	6	9	5	5
अंग्रेज़ी (English)														
अंग्रेज़ी भाषा एवं बोधगम्यता (English Language and Comprehension)	8	6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

सीसैट प्रश्नपत्र की रणनीति (Strategy for CSAT Paper)

प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट प्रश्नपत्र को क्वालिफाइंग प्रकृति का समझकर अधिकांश अभ्यर्थी इसकी तैयारी को गंभीरता से नहीं लेते और अपनी सारी ऊर्जा सामान्य अध्ययन की तैयारी में लगा देते हैं। तैयारी के इस तरीके को सही नहीं कहा जा सकता है क्योंकि सीसैट क्वालिफाइंग प्रकृति का तो होता है, किंतु परीक्षा में इसकी अहम भूमिका होती है।

जो अभ्यर्थी सीसैट प्रश्नपत्र को यह सोचकर नज़रंदाज़ करते हैं कि यह तो क्वालीफाइंग है, इसमें सिर्फ 33 प्रतिशत अंक ही तो लाने हैं; मेरिट तो सामान्य अध्ययन के प्रश्नपत्र के आधार पर बनेगी। इसका दुष्परिणाम यह होता है कि वे सीसैट में क्वालीफाई भी नहीं कर पाते है। मुख्य परीक्षा में हिंदी माध्यम के उम्मीदवारों का लगातार कम होता प्रतिशत इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

अगर हम विगत 5 से 6 वर्षों के सीसैट प्रश्नपत्र के प्रश्नों का विश्लेषण करें तो सीसैट में विभिन्न विषयों से संबंधित जो प्रश्न पूछे जाते हैं, उन्हें हल करने के लिये गंभीरतापूर्वक तैयारी करने की आवश्यकता साफ ज़ाहिर होती है।

वस्तुत: होता यह है कि जिन विद्यार्थियों की अकादमिक पृष्ठभूमि गणित की रही होती है, वे यह मानकर चलते हैं कि उन्हें तो गणित या रीज़निंग पढ़ने की आवश्यकता ही नहीं है और सिर्फ 33 प्रतिशत अंक ही तो लाने हैं। अब, अगर इस दृष्टिकोण को हम सही मानकर चलें तब तो सामान्य अध्ययन में जो भी विषय शामिल हैं उनमें से कुछ-न-कुछ विषयों का अध्ययन प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी मैट्रिक, इंटरमीडिएट, स्नातक अथवा परास्नातक की पढ़ाई के दौरान किया ही होता है, फिर भी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान उन विषयों की गंभीरता से तैयारी करनी होती है। इसी कारण, सामान्य अध्ययन की तैयारी अपेक्षाकृत बेहतर होती है। हालाँकि, जो विद्यार्थी सामान्य अध्ययन के कुछ विषयों (जिनकी पढ़ाई उन्होंने अकादमिक स्तर पर की थी) की तैयारी को लेकर ऐसा नज़रिया अपनाते हैं, उन्हें वहाँ भी सीसैट जैसी समस्या का सामना करना पड़ता है।

ध्यान रखें, सिविल सेवा परीक्षा और अकादमिक परीक्षाओं की मूल्यांकन पद्धति में व्यापक अंतर है। सिविल सेवा परीक्षा में अभ्यर्थी को पाठ्यक्रम में शामिल सभी विषयों की गंभीरतापूर्वक तैयारी करनी होती है। अन्यथा, सीसैट वाले उपेक्षा भाव के चलते ही मुख्य परीक्षा में अनिवार्य भाषा प्रश्नपत्र में बहुत से विद्यार्थी क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं। परिणामस्वरूप उनकी साल भर की मेहनत व्यर्थ हो जाती है।

इस बात का ध्यान रखें, अगर आप सीसैट प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण नहीं होंगे तो सामान्य अध्ययन की कितनी भी अच्छी तैयारी होने के बावजूद आप प्रारंभिक परीक्षा पास नहीं कर सकते। इस दृष्टि से, सीसैट प्रश्नपत्र की तैयारी के प्रति उपेक्षा का भाव अपनाना, सामान्य अध्ययन की तैयारी को कमज़ोर बनाकर सिविल सेवक बनने के अपने सपने की राह में खुद ही रोड़ा बनना है।

सिविल सेवा परीक्षार्थियों को प्रारंभिक परीक्षा में सीसैट की इस चुनौती से निजात दिलाने के लिये संस्कृति IAS ने सीसैट प्रश्नपत्र की तैयारी के लिये कक्षा कार्यक्रम शुरू किया है। इस कक्षा कार्यक्रम को तैयार करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि हिंदी माध्यम से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले अधिकांश विद्यार्थी मानविकी पृष्ठभूमि से होते हैं और उनकी अंग्रेज़ी भाषा पर पकड़ भी अपेक्षाकृत कमज़ोर ही होती है। मानविकी पृष्ठभूमि होने की वजह से गणित और रीज़निंग से संबंधित प्रश्नों को हल करना उनके लिये एक बड़ी चुनौती होती है। साथ ही, अंग्रेज़ी पर कमज़ोर पकड़ का नुकसान उन्हें बोधगम्यता खंड के गद्यांशों को समझने और उनके उत्तर देने में होता है क्योंकि इस खंड के गद्यांश मूलत: अंग्रेज़ी भाषा में होते हैं, जिनका अनुवाद हिंदी में दिया हुआ होता है।

ध्यान रहे, सीसैट प्रश्नपत्र के विभिन्न खंडों की तैयारी करने के बाद भी परीक्षा में कम समय में अधिकतम प्रश्न हल करने के लिये विभिन्न खंडों के प्रश्नों को हल करने की ट्रिक्स भी पता होनी चाहिये। संस्कृति IAS के अध्यापक अपने-अपने विषयों को पढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को संबंधित विषयों के प्रश्नों को हल करने की ट्रिक्स और टिप्स भी बताएंगे। हालाँकि, इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि बिना पर्याप्त तैयारी के प्रश्नों को हल करने की सिर्फ ट्रिक्स सीखना, तुक्का लगाकर प्रश्न हल करने जैसा है।

हमारा उद्देश्य है, सिविल सेवा परीक्षा में हिंदी माध्यम के परिणाम को बेहतर करने का हम हरसंभव प्रयास करें।

कक्षा कार्यक्रम की विशेषताएँ (Features of the Classroom Programme)

- विगत वर्षों के प्रश्नपत्रों के ट्रेंड एनालिसिस के साथ विषयवार रणनीति पर विशेष बल
- संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं के स्तर के प्रश्नों का वैज्ञानिक तथा विश्लेषणात्मक व्याख्यान
- अभ्यर्थियों की दक्षता, बौद्धिकता तथा मानसिक योग्यता को बढ़ाने का विशेष प्रयास
- कॉम्प्रिहेन्सन को समझने और उन पर आधारित प्रश्नों को हल करने की आसान टिप्स एवं ट्रिक्स
- ग्राफ, चार्ट और सारणी पर आधारित प्रश्नों को हल करने की वैज्ञानिक पद्धति सिखाने पर विशेष बल
- अनुभवी एवं प्रतिबद्ध विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्यापन
- परीक्षा के वर्तमान ट्रेंड के अनुरूप अद्यतन पाठ्य सामग्री
- 120+ क्लासेज़ (प्रति क्लास 2 घंटे)
- विद्यार्थियों के लिये शंका-समाधान हेतु विशेष कक्षाएँ
- नियमित क्लास टेस्ट

❐❐❐

संस्कृति IAS

जहाँ एक नहीं, हर शिक्षक है श्रेष्ठ

देश में हिंदी माध्यम से
सामान्य अध्ययन की सर्वश्रेष्ठ टीम

सामान्य अध्ययन

फाउंडेशन कोर्स (प्रिलिम्स + मेन्स)

प्रत्येक माह नया बैच आरंभ

हाइब्रिड कोर्स
ऑफलाइन + ऑनलाइन

SPECIAL OFFER
9555 124 124

दिल्ली एवं प्रयागराज

इतिहास
वैकल्पिक विषय
द्वारा- श्री अखिल मूर्ति

भूगोल
वैकल्पिक विषय
द्वारा- श्री कुमार गौरव

वैकल्पिक विषय
कार्यक्रम विशेषताएँ

- इतिहास और भूगोल में मानचित्र द्वारा अध्ययन के लिए वैज्ञानिक प्रविधि का प्रयोग
- क्लास के तुरंत बाद प्रत्येक विद्यार्थी की विषय संबंधी शंकाओं का निवारण
- प्रत्येक विद्यार्थी की पर्सनल मेंटरिंग व टेस्ट का मूल्यांकन फैकल्टी द्वारा
- मुख्य परीक्षा में पूछे गए विगत 25 वर्षों के प्रश्नों का उत्तर लेखन अभ्यास

GS EXTENSIVE COURSE
Prelims + Mains
- लगभग 650 कक्षाओं का एक्स्टेंसिव स्टडी प्रोग्राम
- AI द्वारा समर्थित अध्यापन प्रविधि का प्रयोग
- प्रत्येक टॉपिक का बेसिक से एडवांस लेवल तक कवरेज

INDIVIDUAL MENTORING
- शॉर्ट नोट्स और सिनॉप्सिस बनाने का प्रशिक्षण
- उत्तर लेखन में सुधार के लिए पर्सनल गाइडेंस
- स्टडी इम्प्रूवमेंट के लिए वन-टू-वन सेशन

PRELIMS GUIDANCE Programme
PGP
- प्रत्येक टॉपिक के लिए महत्त्वपूर्ण करेंट अफेयर्स सिनॉप्सिस
- विगत 13 वर्षों के PYQs में पैटर्न के अनुरूप संपूर्ण पाठ्यक्रम का रिवीज़न

MAINS MENTORSHIP Programme
MMP
- संस्कृति IAS की कोर फैकल्टी द्वारा Daily पर्सनल मेंटरिंग की सुविधा
- चारों प्रश्नपत्रों पर आधारित 70 टेस्ट का Intensive Test Programme

INTERVIEW GUIDANCE Programme
IGP
- एक्सपर्ट के साथ वन-टू-वन सेशन
- DAF एनालिसिस एक्सपर्ट के साथ सीधा संवाद
- इंटरव्यू पैनल द्वारा मॉक इंटरव्यू सेशन्स

CSAT COURSE
- गणित और रीज़निंग का बेसिक से एडवांस लेवल तक Step-by-Step अध्यापन
- कॉम्प्रिहेंशन के प्रश्नों को सटीक और त्वरित ढंग से हल करने के लिए डायनमिक मेथडलॉजी

NCERT COURSE
- प्रत्येक विषय की कक्षा 6 से 12 तक की NCERT पर कक्षानुसार लैक्चर
- NCERT पर आधारित प्रिलिम्स और मेन्स के प्रश्नों पर चर्चा

QAD PROGRAMME
- GS के सभी टॉपिक्स के विगत वर्षों के PYQs पर विस्तृत प्रश्नोत्तर चर्चा
- प्रिलिम्स परीक्षा में जटिल प्रश्नों को सुगमता से हल करने में सक्षम बनाना

CURRENT AFFAIRS Programme
NEWS
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के समसामयिक घटनाक्रमों का विस्तृत कवरेज
- फैकल्टी द्वारा समसामयिक घटनाक्रमों का विषयवार डिस्कशन

PCS COURSES
- UPPCS फाउंडेशन कोर्स
- BPSC फाउंडेशन कोर्स
- MPPCS फाउंडेशन कोर्स
- RAS फाउंडेशन कोर्स
- UP-RO/ARO

Mode of Courses
- Hybrid Course — Offline Classroom & Online Live Stream
- Offline Classroom
- Online Live Stream — 3 साल तक Mobile App पर वीडियो लैक्चर देखने की सुविधा

हेड ऑफिस: 636, भू-तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
प्रयागराज केंद्र: महाराणा प्रताप चौराहा, स्टैनली रोड, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उ.प्र.
sanskritiias.com
Follows us: YouTube